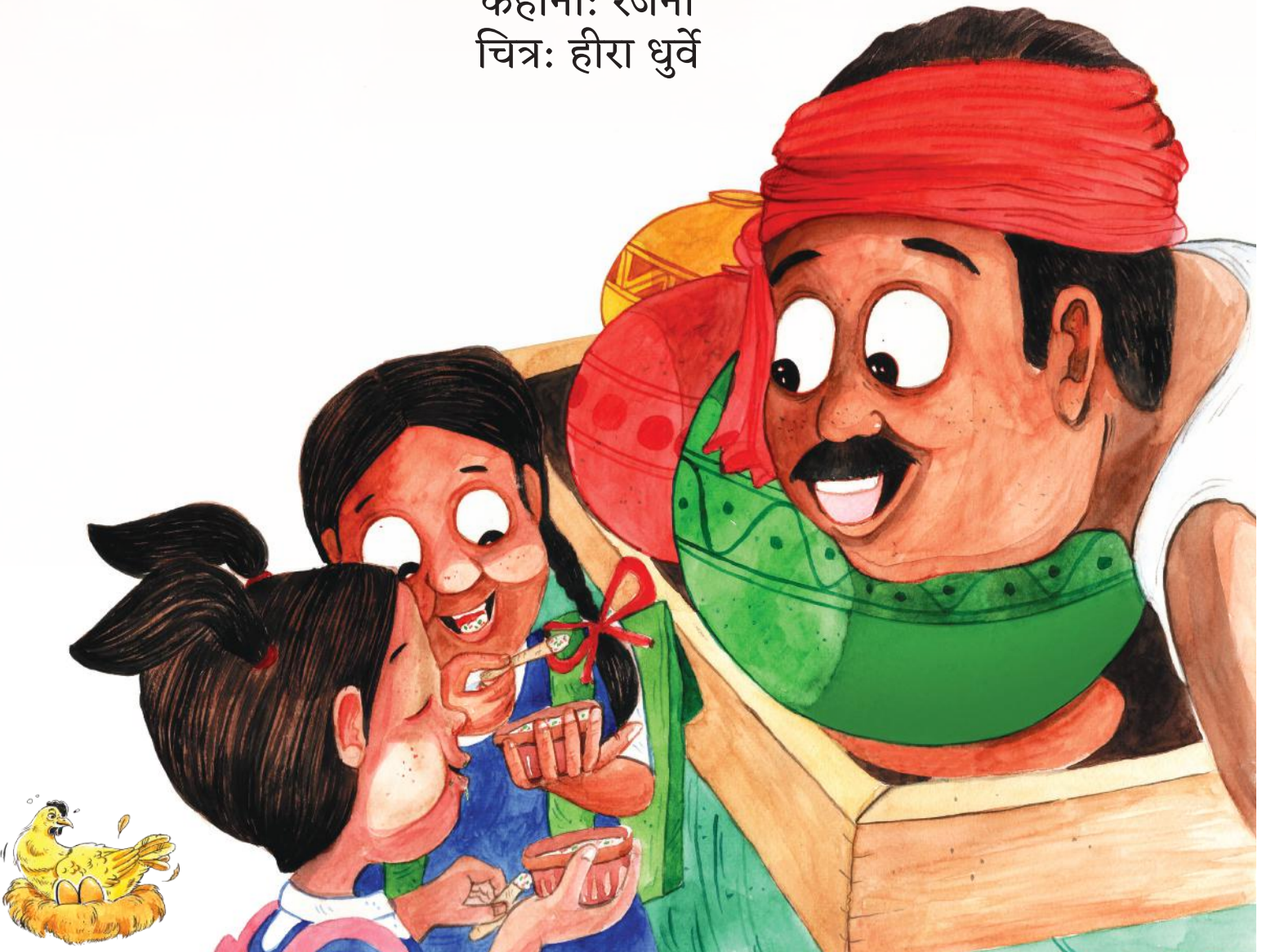


माटके का चटका

कहानी: रंजना
चित्र: हीरा धुर्वे



मटके का चटका

Matke ka Chatka

लेखन : रंजना

चित्र : हीरा धुर्वे

सम्पादकीय सहयोग : हीना परवीन

प्रथम संस्करण : 2023

मुद्रक :

लेआउट और डिजाईन : स्टेला डिजाईन ऐंड प्रिंट

प्रकाशक :

लैंग्वेज ऐंड लर्निंग फाउंडेशन

डी - 26 , एन. डी. एस. ई. पार्ट - II

फ्रंट ग्राउंड फ्लोर , नई दिल्ली - 110049

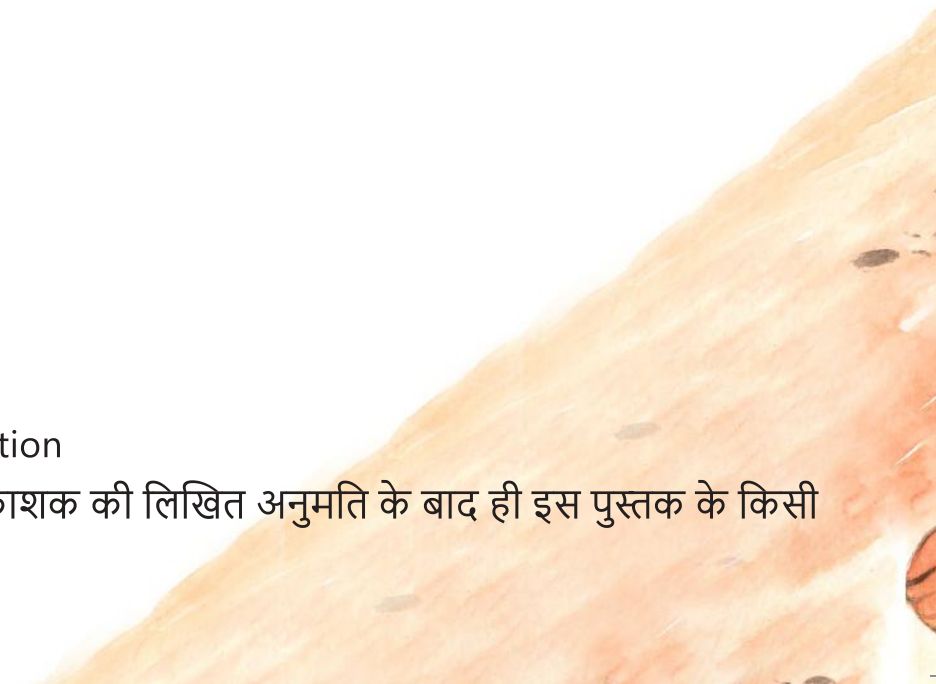
फोन - 011-41092724

ISBN 978-81-957414-1-0

 **Language and Learning**
f o u n d a t i o n
Strong Foundation, Stronger Future

© Language and Learning Foundation

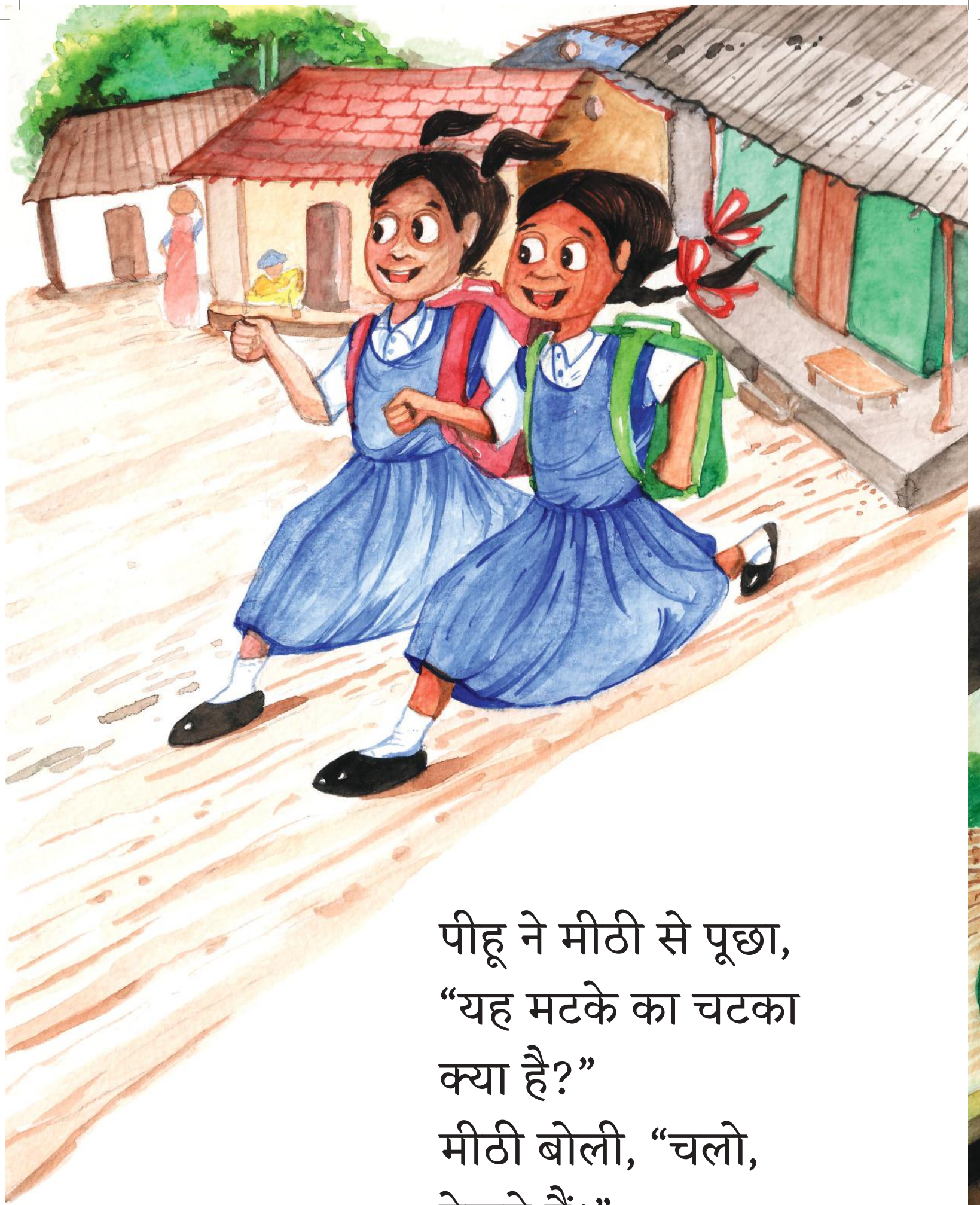
इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बाद ही इस पुस्तक के किसी भी अंश का उपयोग किया जा सकता है।



मीठी और पीहू
जिस रास्ते से रोज़
स्कूल जाती थीं, वहाँ
उन्होंने एक नया
ठेला खड़ा देखा,

ठेले पर लाल, हरा और पीला तीन
मटके रखे थे जिस पर लिखा था
मटके का चटका!





पीहू ने मीठी से पूछा,
“यह मटके का चटका
क्या है?”
मीठी बोली, “चलो,
देखते हैं।”

दोनों ठेले के पास पहुँचीं और ठेले वाले
से कहा, “हमें मटके का चटका चाहिए।”



ठेलेवाले ने दो दोने निकाले और हाथ में
पकड़ा दिए। फिर ठेले में रखी टोकरी
से उसने चुनकर गोल गप्पे निकाले।

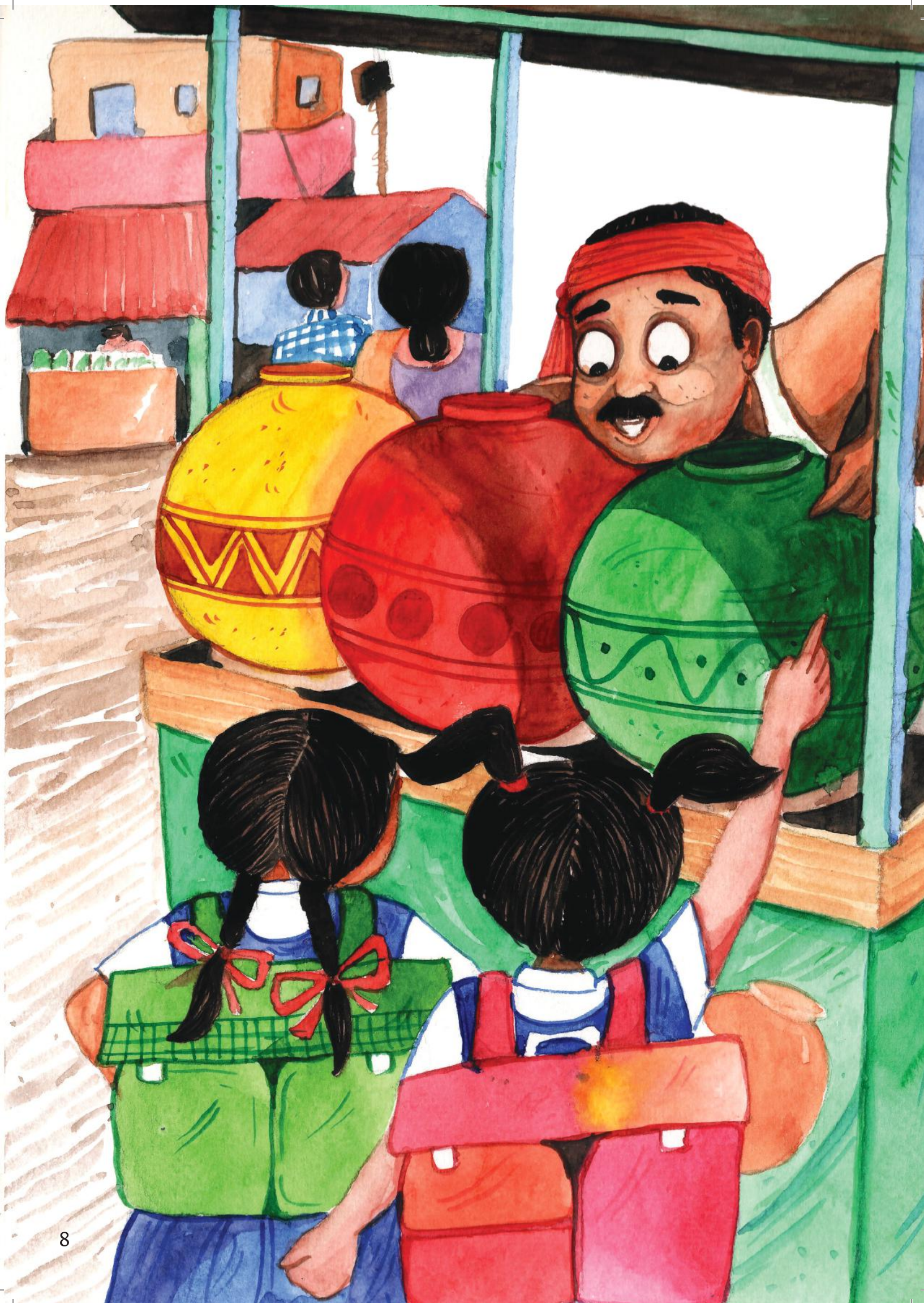






और उन्हें खिलाने लगा
कभी खट्टा,
कभी मीठा
कभी तीखा।







उसके बाद ठेलेवाले
ने पीहू से पूछा,
“अब?”

मीठी ने हरे मटके की
तरफ़ इशारा किया।

ठेलेवाले ने कुल्लड में
खीर निकालकर उन्हें दी।

दोनों ने चट-पट उसे खा
लिया।





ठेलेवाले ने फिर पूछा।
“अब?”

मीठी ने पीले मटके की
तरफ़ इशारा किया।

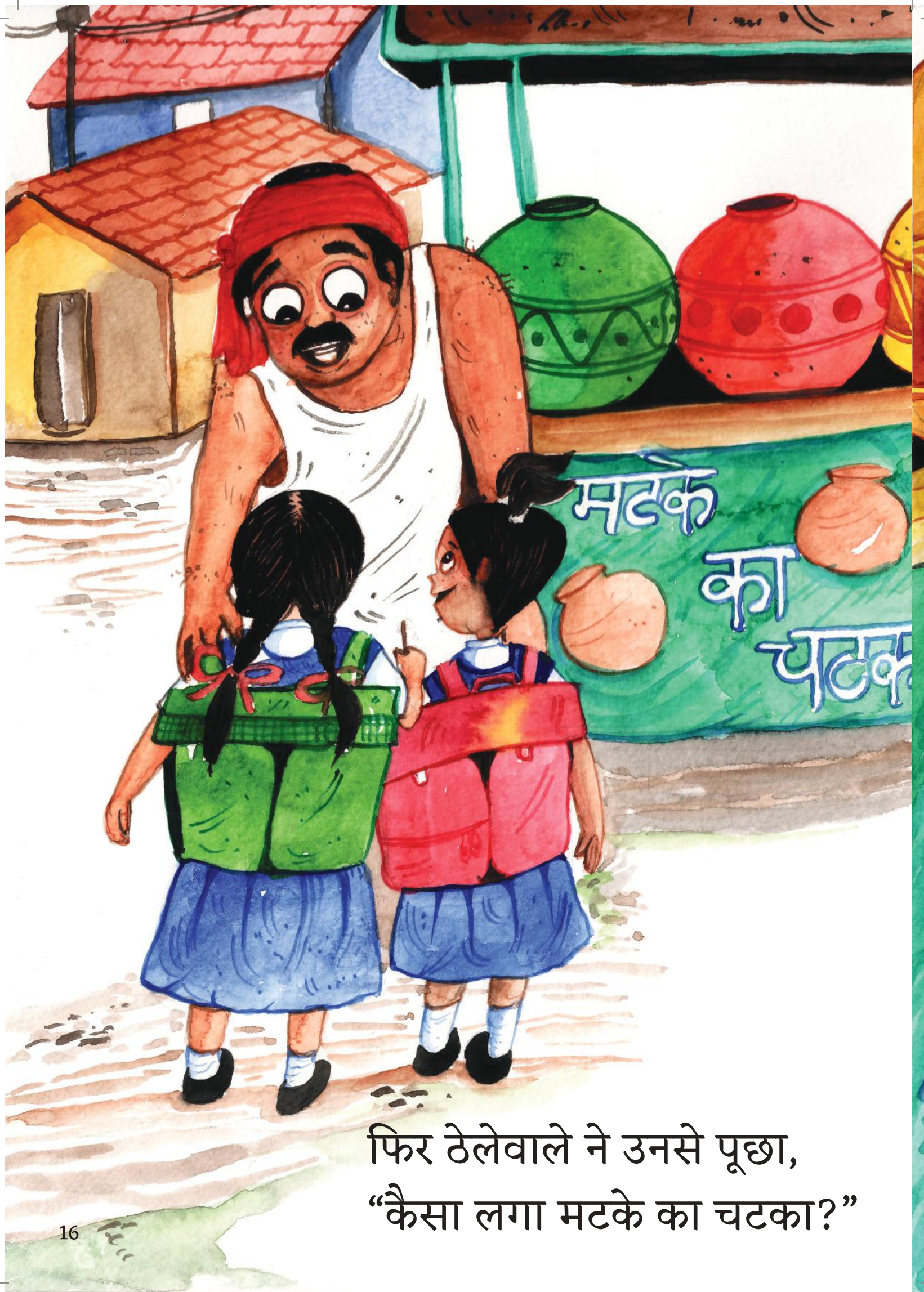




ढेलेवाले ने पीले मटके से दो
कुल्फी निकाली और उन्हें दी।



दोनों ने चाट-
चाट कर उसे
खाया।



फिर ठेलेवाले ने उनसे पूछा,
“कैसा लगा मटके का चटका?”

दोनों खुशी
से बोलीं,

“ग़ज़ब है
मटके का
चटका।”



एक दिन पीहू और मीठी को एक ठेले पर मिले तीन अलग-अलग रंग के मटके। ठेलेवाले ने उन्हें सभी रंगों वाले मटकों से कुछ ना कुछ चखाया। सोचो, ठेलेवाले ने क्या-क्या चखाया होगा उन मटकों से? क्या पीहू और मीठी को वे मटके वाली चीज़ें पसंद आई होंगी?

लैंग्वेज ऐंड लर्निंग फाउंडेशन (LLF) बच्चों में बुनियादी साक्षरता कौशल और पढ़ने की आदत के विकास के लिए कार्य करता है और इसी क्रम में बच्चों के लिए विविध प्रकार के बाल साहित्य की उपलब्धता पर ज़ोर देता है। पढ़ना सीख रहे बच्चों के लिए रोचक चित्रों के साथ बना बाल साहित्य उनके पढ़ने सीखने के सफ़र में गति उत्पन्न करता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए LLF, 5-9 साल के बच्चों के लिए उपयुक्त और रोचक बाल साहित्य की रचना कर रहा है जिसके तहत कहानी की किताबें विकसित की जा रही हैं।

LLF द्वारा प्रकाशित किताबें 5 से 9 साल तक के बच्चों को ध्यान में रखते हुए इन 3 स्तरों में रखी गई हैं।



इस किताब को BMGF द्वारा दिए गए वित्तीय सहयोग से विकसित किया गया है।